

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

FOR IMMEDIATE RELEASE

Press Note No. G/9/2016-17

Dated: 13th June 2016

BIS launches standard on ‘Indian Language Support for Mobile Phone Handsets’ in all 22 Indian official languages.

Bureau of Indian Standards has recently published an Indian Standard, on “Mobile Phone Handsets — Indian Language Support for Mobile Phone Handsets – Specific Requirements, IS 16333 (Part 3): 2016”.

Mobile phone handset are used by the vast cross section of consumers across all segments of people in the country. In recent times, SMS through mobile phones has been increasingly used by the Government as a channel to reach out to the citizens during natural disasters and has been found, many a times, as the only channel working during disasters for safety of individuals. SMS messages and alerts have also become a very powerful medium of conveying information regarding weather and prices to farmers, and in other e-Governance applications, such as education, health and welfare, as part of Digital India.

India being a multilingual country, the need of formulating an Indian standard on the subject was felt so that governments and its citizens are able to communicate in common Indian languages of their choice.

This standard (Part 3) defines the requirements for mobile handset for inputting of text in English, Hindi and at least one additional Indian official language along with facility of Message readability in the phones for all 22 Indian official languages. The standard is set to use the strength of mobile penetration in the country for transmitting the text message to the citizens particularly in hours of disaster management.

Alka
Deputy Director, PR
Bureau of Indian Standards
9818029017

भारतीय मानक ब्यूरो

तुरंत रिलीज़ हेतु

प्रेस रिलीज़ जी/9/2016-17

दिनांक 13 जून 2016

बीआईएस ने सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं में 'मोबाइल फोन हैंडसेट हेतु भारतीय भाषा सपोर्ट' पर मानक जारी किया

भारतीय मानक ब्यूरो ने हाल ही में 'मोबाइल फोन हैंडसेट हेतु भारतीय भाषा सपोर्ट -विशिष्ट अपेक्षाएं, आईएस 16333 (भाग 3) : 2016' पर एक मानक प्रकाशित किया है।

देश के सभी वर्ग के उपभोक्ता बड़ी संख्या में मोबाइल फोन हैंडसेट का प्रयोग करते हैं। हाल ही के समय में प्राकृतिक आपदाओं के समय मोबाइल फोन से एसएमएस के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचने के लिए सरकार द्वारा इसका प्रयोग बढ़ा है तथा कई बार देखा गया है कि केवल यही एक माध्यम था जो आपदाओं के दौरान लोगों की सुरक्षा करने में काम आया। डिजिटल इंडिया के अंग के रूप में एसएमएस संदेश और अलर्ट किसानों तक मौसम और मूल्यों के बारे में सूचना पहुंचाने तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और जन कल्याण जैसे ई-गवर्नेंस के अन्य प्रयोगों का एक सशक्त माध्यम बन चुके हैं।

भारत के एक बहुभाषी देश होने के नाते इस विषय पर मानक बनाने की आवश्यकता महसूस की गई ताकि सरकार और नागरिक अपनी पसंद की आम भारतीय भाषाओं में संवाद कर सके।

इस मानक (भाग 3) में फोन में सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं के लिए संदेश की पठनीयता (readability) की सुविधा के साथ अंग्रेजी, हिंदी और कम से कम एक अतिरिक्त आधिकारिक भारतीय भाषा में टैक्सट इनपुट करने के लिए मोबाइल हैंडसेट की अपेक्षाएं दी गई हैं। यह मानक देश में मोबाइल की पहुंच की ताकत का उपयोग विशेष रूप से आपदा प्रबंधन के समय टैक्सट मैसेज को नागरिकों तक प्रसारित करने के लिए किया तैयार है।

Alka
Deputy Director, PR
Bureau of Indian Standards
9818029017